NEW ERA PUBLIC SCHOOL RAJBAGH

SOLVED ASSIGNMENT OF TERM II

CLASS: 6th SESSION 2021

SUBJECT: HINDI Pg no 1.

पाठ -14
परीक्षा

शब्द ज्ञान

विपत्ति = मुसीबत, सहानभूति = दुखी के दुख से हृदय द्रवित होना, स्वार्थ = केवल अपना लाभ सोचना, अकस्मात = अचानक, आपत्ति = विरोध, हृष्ट - पुष्ट = स्वस्थ व बलवान, आवश्यक = जरूरी, मंदाग्नि = कम भूख लगना, आचार - विचार = आचरण, सदाचार = अच्छा आचरण, पथिक = राही, कीर्ति = प्रसिद्ध, चित्त = हृदय, परमात्मा = भगवान, विनय = प्रार्थना, अनुभवशील = अधिक अनुभव वाला।

मौखिक (उत्तर)

1. रियासत के दीवान का नाम सरदार सुजान सिंह था।

2. रियासत का नाम देवगढ़ था।

3. अंत में जिस दीवान का चुनाव उसका नाम पंडित जानकीनाथ था।

Scanned with CamScanner

लिखित :(उत्तर)

क, रियासत देवगढ़ के दीवान सरदार सुजान सिंह जब बूढ़े हुए तो उन्हें परामात्मा की याद आई। महाराज से कहा कि उन्होंने चालीस साल तक उनकी सेवा की है, अब कुछ दिन परमात्मा की सेवा करने की आज्ञा चाहता हूँ।

ख, राजा साहब ने दीवान सरदार सुजानसिंह की सेवानिवृत्ति के यह शर्त रखी कि रियासत के लिए नया दीवान आप ही को खोजना पड़ेगा।

ग, नए दीवान के लिय विज्ञापन में यह योग्ताएँ प्रकाशित की जो दिवान पद के लिए किसी डिग्री धारक की जरूरत नहीं बल्कि ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है जो स्थिरचित्त एवं दृढ़ संकल्पी हो। वह चाहे स्वयं धोखा खा जाए, परंतु दया के धर्म के मार्ग से कभी न हटे।

घ, विज्ञापन ने सारे देश में हलचल मचा दी। सैकड़ों आदमी अपना -अपना भाग्य परखने के चल पड़े। देवगढ़ में नए- नए और रंग बिरंगे मनुष्य दिखलाई देने लगे। प्रत्येक रेलगाड़ी से उम्मीदवारों का मेला सा उतरता। कोई पंजाब से चला आता था तो कोई मद्रास से। कोई नए फ़ैशन का प्रेमी तो कोई पुरानी सादगी

Scanned with CamScanner

पर मिटा हुआ । पंडितो और मौलवियों को भी अपने-अपने भाग्य की परीक्षा करने का अवसर मिला ।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए : (उत्तर)
क, मौलवियों ख, खून ग, निगाह घ, राजा
ङ,) रियासत

3. नीचे दिए गए वाक्यों को शुद्ध कीजिए : (उत्तर)
क, प्रकृति हमें परोपकार का संदेश देती है।

ख, आलस्य मनुष्य को कायर बना देती है।

ग, विज्ञान का विद्युत सबसे बड़ा आविष्कार है।

घ, धर्म का संबंध मानवता से है।

ङ,) प्रेमचंद का असली नाम धनपतराय था।

4. सही विकल्प के सामने (✓) का चिह्न लगाइए : (उत्तर)

क, (ii) ख, (i)

Scanned with CamScanner

पाठ - 15.
सच्चा इंसान

शब्द ज्ञान

सार = संक्षेप, मनु = मनुष्य, विष = जहर, मानवता = इंसानियत, पर - पीड़न = दूसरों का दुख, परमेश्वर = ईश्वर, साँझा = इकट्ठी, वैर भाव = दुश्मनी, नित = हमेशा, दूत = संदेशवाहक, अज्ञान = अज्ञान के बिना।

मौखिक : (उत्तर)

1. सच्चा इंसान वो है जो जनता की सेवा करें।
2. जग का श्रृंगार सच्चा इंसान है।

लिखित : (उत्तर)

1. मानव ही भगवान समान मानवता का धर्म धारण करने वाले मनुष्य की तुलना परामात्मा से की है। जो मनुष्य भेद - भाव का विष न उगले।

2. जिसका जीवन कर्म - यज्ञ है वही इंसान सच्चा गुणगान है।

3. सभी धर्मों का सार मानवता है।

4. यह दुनिया इकट्ठी मकान है। जहां पर लोग लड़ना - भिड़ना, वैर भाव सब नासमझी का खेल है।

Scanned with CamScanner

यहाँ पर सभी मुसाफिर मिल- जुलकर रहते है।

5- इस कविता का मूल भाव मनुष्य जाति के लिए सच्चे धर्म की सेवा करना है।

2. निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (उत्तर).

क, i, नासमझी का खेल लड़ना -भिड़ना और वैर भाव है।

ii, मंज़िल मिलजुल कर चलने से आसान होती है।

iii, मानवता का धर्म- धारण करने से मानव भगवान बन जाता है।

iv, मानवता :- मानवता का धर्म- धारण करो।
मंज़िल :- हम मंज़िल के करीब है।
मुसाफ़िर :- कुछ मुसाफ़िर रास्ते से जा रहे है।

ख, i, जो इंसान दूसरों के दुख में खुश होता है उस नर का धिक्कार है।

ii, जो इंसान कर्म- यज्ञ करे वे सच्चा गुणवान है।

iii, जग का शृंगार मानवता को कहा गया है।

ग, कविता का 'शीर्षक' मानवता है।

3. रिक्त स्थान भरिए :
क, जिसने साधा जन- हित जीना,
वह जग का शृंगार है।

पर-पीड़न में जो रस लेता,
उस नर को धिक्कार है ॥
जिसका जीवन कर्म-यज्ञ है,
वह सच्चा गुणवान है ।

ख, ऊँच-नीच का भेद झूठ है,
कोई नहीं अछूत है ।
सच मानो हर प्राणी जग में,
परमेश्वर का दूत है ॥

3. सही उत्तर के सामने (✓) का चिह्न लगाइए :
क, (ii) ख, (iii) ग, (ii)

4, विस्मयादिबोधक शब्दों से वाक्य बनाइए : (उत्तर)

क, खबरदार :- खबरदार ! जो बस से बाहर हाथ निकाला ।
ख, छि: छि: :- छि: छि: ! यह गंदा काम करते है ।
ग, वाह :- वाह ! मिठाई कितनी स्वादिष्ट है ।
घ, क्या :- तुम्हारा नाम क्या है ?
ङ, अरे :- अरे ! राहुल कब आयेगा ।
च, हे राम :- हे राम ! अब मैं क्या करूँ ।

पाठ - 16.
छोटा जादूगर

शब्द ज्ञान (Already done on Book).

मौखिक : (उत्तर).

1. लेखक छोटे जादूगर की ओर कार्निवल में उसके खेल दिखाने से आकर्षित हुआ।

2. छोटा जादूगर ताश, लट्टू और जानवरों को मनाने का खेल-तमाशे दिखाता है।

लिखित : (उत्तर)

1. अपने पिता के जाने पर बालक को गर्व इसलिए था क्योंकि उसके पिता राष्ट्र-हित के लिए जेल में बंदी थे।

2. लेखक छोटा जादूगर से ईर्ष्या इसलिए करने लगा क्योंकि श्रीमती ने लड़के को खेल दिखाने के बाद एक रुपए दिया।

3. एक झोंपड़ी के पास बालक कंबल कंधों पर डालकर खड़ा था लेखक ने मोटर रोककर उससे पूछा, तुम यहाँ कहाँ? मेरी माँ को अस्तपताल वालों ने निकाल दिया है मैंने झोपड़ी में देखा एक स्त्री चीथड़ों से लदी हुई काँप रही थी। छोटे जादूगर ने उसकी माँ के शरीर के ऊपर कंबल

डाल कर उससे चिपटते हुए ~~[crossed out]~~ माँ कहा, यह देख कर मेरी आँखो से आसू निकल पड़े।

4. सड़क के किनारे एक कपड़े पर छोटे जादूगर का रंगमंच सजा हुआ था। मैं मोटर रोककर उतर पड़ा। वहाँ बिल्ली रूठ रही थी। भालू मनाने चला था, ब्याह की तैयारी थी, पर यह सब होते हुए भी जादूगर की वाणी में वह प्रसन्नता नहीं थी।

5. छोटे जादूगर की माँ बीमार थी तथा पिता राष्ट्र-हित के लिए जेल में बंदी थे। इन परिस्थितियों ने उसे बचपन में ही अति चतुर बना दिया था। वह तमाशा दिखाकर अपनी माँ माँ की सेवा के लिए तथा अपने भोजन के लिए पैसे जुटाता था।

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए:
क, संध्या ख, पथ्य ग, छोटा जादूगर
घ, अस्ताचलगामी ङ, स्फूर्तिमान

3. निम्नलिखित वाक्यों में संयोजक लगाकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: (उत्तर)
1. इसलिए 2. तो 3. अन्यथा 4. अत:
5. और

4. समुच्चयबोधक छाँटकर लिखिए : (उत्तर)
1. पर 2. और 3. अन्यथा 4. अपितु 5. ताकि

पाठ - 17
मौत का खेल

शब्द ज्ञान (Already done on Book)

मौखिक : (उत्तर)
1. आखेटक सुअर का शिकार करने गए थे।
2. बाघ ने शिकारी पर हमला इसलिए किया था क्योंकि उसने उसे उसकी सहगामिनी से वंचित किया था।.

लिखित : (उत्तर)
1. यह पाठ साहसिक प्रकृति का परिचय देती है।

2. शिकारी ने झाड़ी में से हिरण के पीछे बाघ को निकलते देखा

3. नर के आकर्षण से ही बाघिन ने हिरण का पीछा छोड़ दिया था। उसका विचार था कि मैंने उसे उसकी पत्नी से वंचित किया है इसलिए बदले का भाव उसमें जाग्रत हो गया था।

4. जब बाघ ने मुझ पर हमला किया तो मैं उसको

Scanned with CamScanner

कहीं भी गोली मार सकता था। पर ऐसा करना सरल काम नहीं था, क्योंकि मैं अपनी जान पर मुड़ नहीं सकता था और पीछे देखने की मुझमें हिम्मत न थी। मेरी केवल एक ही आशा थी वह भी अचूक नहीं। मैंने तमंचा की नाल का घोड़ा दबा दिया। जो बाघ को लगा। गोली की आवाज़ से ऐसी गर्जना हुई जिससे तमंचे की आवाज़ भी दब गई। पर बाघ को तो और भी कटु अनुभव हुआ।

पाठ – 18
नीति के दोहे

शब्द ज्ञान (Already done in Book).

मौखिक :(उत्तर)

1. जीवन में श्रम का महत्व है।
2. यह दोहे हमें अपने जीवन में अपनाने का सकल्प देते है।

लिखित : (उत्तर).

1. जो अच्छे स्वभाव के मनुष्य होते है उनको बुरी संगति भी कुछ बिगाड़ नहीं पाती जैसे जहरीले साँप चन्दन के वृक्ष से लिपटे रहने पर भी उस पर कोई प्रभाव नहीं डाल पाते।

2. रहिम जी कार्यों को तत्काल निपटाने के लिए यह कहते है कि हमारे पास समय बहुत कम है जो काम कल करना है वो आज करो, जो आज करना है वो अभी करो क्योंकि पलभर में प्रलय आएगी तो फिर आप अपना काम कब करोगे।

4. मीठी बोली औषधि के समान होती है, जबकि कटु वाणी तीर के समान कानों से प्रवेश होकर सपूर्ण शरीर को पीड़ा देती है। मधुर वाणी से समाज में एक-दूसरे के प्रति की भावना का संचार होता है। जबकि कटु वचनों से सामाजिक प्राणी एक दूसरे के विरोधी बन जाते है।

6. संपत्ति संग्रह करने का भाव इस दोहे में है:

तरुवर फल नहि खात हैं, सरवर पियहि न पानि।
कह रहीम पर काज हित, संपति सँचहि सुजान ॥

7. रहिम जी कहते है कि जीवन में कुछ भी प्राप्त करने करने के लिए प्रयत्न करना जरूरी है। प्रयास करें बिना विद्या और ज्ञान नहीं मिलता है। उसे प्राप्त करने के लिए अभ्यास और श्रम आवश्यक है। जिस प्रकार पंखे को हिलाये बिना हवा नहीं मिलती है।

3. निम्नांकित दोहे की पंक्तियों की अगली पंक्ति लिखिए : (उत्तर).

क, पल में परलय होयेगी, बहुरि करैगा कब ॥
ख, तोको फूल के फूल है, वाको है तिरसूल ॥
ग, मैं भी भूखा न रहूँ, साधु न भूखा जाय ॥
घ, बिना डुलाए न मिले, ज्यों पंखे को पौन ॥

4. निम्नांकित भावार्थ जिस दोहे में है उन्हें लिखिए : (उत्तर)

1. रहिमन जे उत्तम प्रकृति, का करि सकत कुसंग ।
चंदन विष व्याप्त नहीं, लपटे रहत भुजंग ॥

2. काल करै सो आज कर, आज करे सो अब ।
पल में परलय होयेगी, बहुरि करैगा कब ॥

3. विद्या धन ~~उद्यम~~ बिना, कहो जु पावै कौन ।
बिना डुलाए न मिले, ज्यों पंखे को पौन ॥

5. तुकांत लिखिए :

कुसंग – भुजंग
अब – तब
फूल – भूल
खोय – होय
जाहि – नाहि
समाय – जाय

Scanned with CamScanner

(हिन्दी व्याकरण)

1. निबंध:
   दीपावली, गणतंत्र दिवस

2. पत्र :
   अपने मित्र को जन्म दिन पर निमंत्रित करते हुए पत्र लिखें।
   छोटी बहन / भाई को नए विद्यालय में प्रवेश पर बधाई पत्र लिखिए।

3. विलोम शब्द (31-45)

4. पर्यायवाची शब्द (46-70)

5. अनेकार्थिक शब्द (25-40)

6. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखें: (46-75)

7. मुहावरे (25-43).

8. क्रिया, विराम चिह्न.

Scanned with CamScanner